

Appendix - 03

Alphabetical list of *Sārasvata-sūtrapāṭha*

- | | |
|--|---|
| १. अ इ उ ऋ लृ समानाः ॥१॥१॥ | ३४६. अनिटो नामिवतः ॥१२॥२६॥ |
| २५. अ इ ए ॥२॥१३॥ | १०. अन्त्यस्वरादिष्टिः ॥१॥२१॥ |
| ३८७. अङ्गिलघौ ह्रस्व उपधायाः
॥१२॥११४॥ | ११. अन्त्यात्पूर्व उपधा ॥१॥२२॥ |
| १४१. अच्चास्थनां शसादौ ॥६॥७९॥ | २६१. अन्यार्थे ॥७॥२२॥ |
| १७८. अच्चेर्दीघश्च ॥६॥६६॥ | २४४. अन्योक्ते प्रथमा ॥८॥७॥ |
| ४८४. अटौ ॥१३॥१०॥ | २५५. अन् स्वरे ॥११॥१२॥ |
| २७३. अत इजनृषेः ॥९॥३॥ | २६९. अपत्येऽण् ॥९॥१॥ |
| ३४८. अत उपधायाः ॥९॥२८॥ | ३००. अपित्तादिर्ङित् ॥१२॥७३॥ |
| ८८. अतः ॥६॥२५॥ | २९८. अप् कर्त्तरि ॥१२॥१०॥ |
| ३१०. अतः ॥१२॥४३॥ | ५२०. अप्ययोरान्नित्यम् ॥६॥५७॥ |
| ४५५. अतिशये हसादेर्यङ् द्विश्च
॥१२॥७९॥ | ४१२. अबादावी पितित्स्मि ॥१२॥१४५॥ |
| ५७. अतोऽत्युः ॥५॥३॥ | २५२. अमादौ तत्पुरुषः ॥११॥४॥ |
| २५०. मतोऽमनतः ॥७॥७२॥ | ६८. अम्शसोरस्य ॥६॥४॥ |
| १३२. अतोऽम् ॥६॥७३॥ | ४३८. अयकि ॥१२॥९६॥ |
| १८२. अत्वसोः सौ ॥६॥६०॥ | ११३. अर् पञ्चसु ॥६॥५२॥ |
| (-) अदसः ॥७॥३५॥ | ८. अरेदो नामिनो गुणः ॥९॥३५॥ |
| ४९९. अदसाऽम् ॥१३॥२०॥ | २६८. अलुक् क्वचित् ॥७॥७०॥ |
| ३९४. अदादेर्लुक् ॥१२॥११॥ | १४२. अल्लोपः स्वरेऽम्बयुक्ताच्छसादौ
॥६॥६४॥ |
| ३०२. अदे ॥१२॥४४॥ | ८६. अवकुप्वन्तरेऽपि ॥६॥६९॥ |
| ७२. अङ्गि ॥६॥१६॥ | ५. अवर्जा नामिनः ॥१॥५॥ |
| २९६. अन उस् ॥१२॥६०॥ | ६५. अविभक्ति नाम ॥६॥१॥ |
| १७०. अन टौ सोः ॥७॥३३॥ | २२४. अव्ययाद्विभक्तेर्लुक् ॥७॥६८॥ |
| १४५. अनङुहश्च ॥६॥९१॥ | २४९. अव्ययीभावात् ॥७॥७१॥ |
| ३११. अनद्यतनेऽतीते-दिप्-ताम्-अन्-
सिप्-तम्-त-अमिप्-व-म-तन्-
आताम्-अन्त-थास्-आथाम्-ध्वम्-
इ-वहि-महि ॥१२॥५॥ | १६६. अष्टनो डौ वा ॥६॥१३॥ |
| | ४०६. असादेर्भ्वादिः ॥१२॥१३९॥ |
| | ४०५. अस्तेरीट् ॥१२॥३४॥ |
| | २८४. अस्त्यर्थे मतुः ॥९॥१३॥ |
| | २०१. अहः पदान्ते च ॥७॥४९॥ |

५६. अहो रोडरात्रिषु ॥७५०॥
 ४६६. आचार उपमानत् ॥१२१८४॥
 ४८२. आतो डः ॥१३१८॥
 ३७१. आतो णप् डौ ॥१२१६२॥
 ९२. आतो धातोर्लोपः ॥६१८३॥
 ३७२. आतोऽनपि ॥१२१३५॥
 ३२९. आतोऽन्तोऽदनतः ॥१२१५८॥
 ४९१. आतो मनिष्कनिप्वनिपः
 ॥१३११५॥
 ४७१. आतो युक् ॥१२२९॥
 ४५७. आतः ॥१२११११॥
 ५३२. आतः ॥१३१३८॥
 २९०. आदनुदात्तङितः ॥१२१६९॥
 ५९. आदबे लोपश् ॥५१५॥
 ३०४. आदाथ ईः ॥१२१४६॥
 १५०. आदिजबानां झभान्तस्य झभाः स्त्वोः
 ॥७६६॥
 २७०. आदिस्वरस्य णिति वृद्धिः ॥१२२४॥
 ५०९. आदीदितः ॥१२११६८॥
 ५२७. आदृतः किर्द्विश्च भूते ॥१३१३३॥
 ३४२. आदेः णः स्तः ॥१२११४१॥
 ४६९. आडुवि कर्मणि ॥१२१६७॥
 १२०. आपः ॥६३१॥
 २२५. आबतः स्त्रियाम् ॥१०११॥
 ३१६. आभ्वोर्णादौ ॥१२१११७॥
 ८२. आमन्त्रणे सिर्धिः ॥८१२॥
 २०४. आमौ ॥७७॥
 १११. आम्लेर्नियश्च ॥६३६॥
 ११९. आम्लशसि ॥६१९४॥
 २०७. आम्लभौ ॥७११५॥
 ३५९. आयः ॥१२१८२॥
 ९. आरै औ वृद्धिः ॥१२३४॥
 ३२२. आशिषि-यात्-यास्ताम्-यासुस्-

यास्-यास्तम्-यास्त-यासम्-यास्व-
 यास्म-सीष्ट-सीयास्ताम्-सीरन्-
 सीष्ठास्-सीयास्थाम् - सीध्वम्-
 सीय-सीवहि-सीमहि ॥१२१७॥
 ३०९. आशीः प्रेरणयोः - तुप्-ताम्-अन्तु-
 हि-तम्-त-अनिप्-आवप्-आमप्-
 ताम्-आताम्-अन्ताम्-स्व-
 आथाम्-ध्वम्-ऐप्-आवहैप्-
 आमहैप् ॥१२१४॥
 ४९७. आ सवदिः ॥१३११८॥
 १६०. आ सौ ॥६१८७॥
 ४८५. इखखि ॥१३१११॥
 ४५०. इच्छायात्मनः सः ॥१२१८०॥
 (-) इच्छार्थेषु कर्तृकेषु तुम् ॥१३१८१॥
 ३३३. इट ईटि ॥१२१३८॥
 ३७७. इटो ग्रहाम् ॥१२११७३॥
 ४७०. इण्तन्यकर्त्तरि ॥१२१३१॥
 १५८. इतोऽत्पञ्चसु ॥६१८५॥
 १६८. इदमोऽयं पुंसि ॥७३०॥
 ३४०. इदितो पनुम्ब ॥१२११५३॥
 १२६. इदुद्भ्याम् ॥६१४१॥
 १६२. इनां शौ सौ ॥६१६३॥
 १९८. इयं स्त्रियाम् ॥७३१॥
 १२. इ यं स्वरे ॥२११॥
 ३३६. इरितो वा ॥१२१३०॥
 ५२३. इष्णुस्नुक्नुः ॥१३१२९॥
 ४५४. इस्से ॥१२११२१॥
 ५४३. ईच्चातः ॥१३१५३॥
 ४९४. ईपि (वनोरः) ॥९११८॥
 १३३. ईमौ ॥६१७५॥
 ५४१. ईषद्दुः सुषु खल्यू ॥१३१५०॥
 ४४०. ई हसे ॥१२१५४॥
 ३९२. उः ॥१२११३०॥

२६. उ ओ ॥ २।१४॥
 २३८. उत ऊः ॥ १०।११॥
 ५५७. उदितः क्त्वाः ॥ १२।१६४॥
 ३३१. उपधाया लघोः ॥ १२।१२७॥
 ४. अभये स्वराः ॥ १।४॥
 १५. उ वम् ॥ २।२॥
 १८८. उशनसाम् ॥ ६।९७॥
 ३४४. ऊदितो वा ॥ १२।१६३॥
 १९५. ऊ रसे ॥ ६।८९॥
 २७. ऋ अर् ॥ २।१५॥
 २७२. ऋ उरणि ॥ ९।२॥
 १०४. ऋक्छे ॥ ७।१८॥
 ३७६. ऋत इर् ॥ १२।१५७॥
 १०५. ऋतो ङ उः ॥ ६।४८॥
 ४६०. ऋतो रिः ॥ १२।९५॥
 ५४८. ऋदुपधात् क्यप् ॥ १३।५६॥
 १६. ऋ रम् ॥ २।३॥
 ३३९. ऋसंयोगात् ॥ १२।७५॥
 ५४५. ऋहसान्तात् घ्यण् ॥ १३।५४॥
 २८. लृ अल् ॥ २।१६॥
 १७. लृ लम् ॥ २।४॥
 १८. ए अय् ॥ २।५॥
 २९. ए ऐ ॥ २।१७॥
 ३. ए ऐ ओ औ सन्ध्यक्षराणि ॥ १।३॥
 ९४. ए ओ जसि ॥ ६।४४॥
 २५७. एकत्वे द्विगुद्वन्द्वौ ॥ ७।७५॥
 ४८७. एजां खश् ॥ १३।१२॥
 २०८. ए टा ड्योः ॥ ७।१६॥
 २३. एदोतोऽतः ॥ २।१०॥
 १९२. एरीबहुत्वे ॥ ७।३८॥
 ७५. ए स्मि बहुत्वे ॥ ६।१८॥
 २०. ऐ आय् ॥ २।६॥
 २३५. ऐ च मन्वादेः ॥ १०।८॥

१०२. ऐ सख्युः ॥ ६।९५॥
 १९. ओ अव् ॥ २।७॥
 ३०. ओ औ औ ॥ २।१८॥
 ५४७. ओदौतोर्यः स्वरवत् ॥ १३।६४॥
 ५४६. ओरावश्यके ॥ १३।५५॥
 ११८. ओ रौ ॥ ६।९३॥
 ४००. ओरौ ॥ १२।१४६॥
 ४२९. ओर्वमोर्वा लोपः ॥ १२।५०॥
 ४३०. ओवहिः ॥ १२।४२॥
 ३१. ओष्ठोत्वोर्वौ ॥ २।१९॥
 ७८. ओसि ॥ ६।१९॥
 २१. औ आव् ॥ २।८॥
 ३४. औ निपातः ॥ ३।३॥
 ९३. औ यू ॥ ६।४२॥
 १२१. औरी ॥ ६।३४॥
 २९७. कर्त्तरि पं च ॥ १२।६८॥
 ४६५. कर्तुर्यङ् ॥ १२।८५॥
 २४२. कर्तृकार्ययोरक्तादौ कृति षष्ठी ॥ ८।५॥
 २६६. कर्मधारयस्तुल्यार्थे ॥ ११।८॥
 २२६. काप्यतः ॥ ७।२०॥
 २७९. कारकात् क्रियायुक्ते ॥ ९।८॥
 ७. काययित् ॥ ९।२३॥
 ४८१. कार्येऽण् ॥ १३।७॥
 ३५३. कासादिप्रत्ययादाम् कस्भूपरः ॥ १२।१७१॥
 ५०८. कितः ॥ १२।१६७॥
 १७३. किमः कः ॥ ७।२६॥
 ४९८. किमिदमः कीशौ ॥ १३।१९॥
 ५५. कुप्चोः ऋक ऋपौ वा ॥ ५।२॥
 ३४१. कुहोश्चुः ॥ १२।१०३॥
 ४३५. कृजो ये ॥ १२।५१॥
 ४७४. कृतः ॥ १२।१६१॥

४७२. कृत्कर्त्तरि ॥१३१॥
 २८०. केनेयकाः ॥११९॥
 ३०१. विडित्यद्वयुसि ॥१२११३९॥
 ५०२. क्तक्तवतू ॥१३१२३॥
 ५०३. क्तो नपुंसके ॥१३१४५॥
 ५०७. क्तो वा पसेट्ब ॥१२१७८॥
 ३२०. क्रादेणदिः ॥१२११७०॥
 २७७. क्वचिद्द्वयोः ॥१२१२५॥
 ५१६. क्सुकानौ णवेवत् ॥१३१२४॥
 ४९५. क्तिप् ॥१३११६॥
 ५०१. क्तिप्वनिब्डाः ॥१३१२२॥
 ८१. क्तिलात्षः सः कृतस्य ॥६१७०॥
 ५०. खसे चपा झसानाम् ॥७१६३॥
 ४८६. खिति पदस्य ॥१२११५२॥
 ४८८. ख्युट् करणे ॥१३११३॥
 ५०४. गत्यर्थादिकर्मकाच्च कर्त्तरि क्तः
 ॥१३१४८॥
 ३६२. गमां छः ॥१२११४७॥
 ३६३. गमां स्वरे ॥१२११३४॥
 २९९. गुणः ॥१२११२३॥
 ३७८. गुब्भ्यः ॥१२१८१॥
 ५५३. गुरोर्हसात् ॥१३१५९॥
 २६३. गोः ॥७१२३॥
 ३९३. ग्रहां विडिति च ॥१३१७१॥
 ५३१. घञ् भावे ॥१३१३७॥
 २११. ङसिभ्यसोश्शतुः ॥७११२॥
 ७६. ङसिरत् ॥६१२०॥
 ९८. ङस्य ॥२१११॥
 ७७. ङस् स्य ॥६१२१॥
 १२९. ङितामट् ॥६१३९॥
 १२४. ङितां यट् ॥६१३५॥
 ९७. ङिति ॥६१४६॥
 १००. ङिति टेः ॥१११९॥

४३४. ङित्यदुः ॥१२१५२॥
 ९०. ङि स्मिन् ॥६१२६॥
 ७४. ङे अक् ॥६१२३॥
 ९९. ङेरौ ङित् ॥६१४७॥
 ११४. ङौ ॥६१५१॥
 ४९. ङ्णो ह्रस्वाद्द्विः स्वरे ॥४११३॥
 ५२५. चजोः कगौ घिति ॥१३१६१॥
 १५४. चतुराम् शौ च ॥६१९०॥
 ३७. चपा अबे जबाः ॥४११॥
 ३९. चपाच्छः शः ॥४१३॥
 २१७. चादिभिश्च ॥७१४॥
 २१८. चादिर्निपातः ॥११११७॥
 २५६. चार्थे द्वन्द्वः ॥१११६॥
 ४४४. चुरादेः ॥१२१८८॥
 १७७. चोः कुः ॥७१४१॥
 १७४. छशषराजादेः षः ॥७१५८॥
 २४३. जनिकर्तुः प्रकृतिः ॥८१६॥
 १६४. जश्शसोर्लुक् ॥६१११॥
 १३४. जश्शसोः शि ॥६१७६॥
 ८४. जसी ॥६१२७॥
 ३९९. जह्येधिशि ॥१२११२२॥
 ४२५. जा जनीज्ञोः ॥१२११५०॥
 २३३. जातेरयोपधात् ॥१०१५॥
 ४८०. ज्वलादेर्णः ॥१३१६॥
 ३१८. झपानां जबचपाः ॥१२११०४॥
 १४. झवे जबाः ॥७१६४॥
 ३४७. झसात् ॥१२१३९॥
 ३९५. झसाद्धिर्हेः ॥१२१६३॥
 ४५८. अमजपां नुक् ॥१२१११२॥
 ५०५. अमस्य विडिति झसे ॥१२११५५॥
 ५३. अमा यपेऽस्य वा ॥४११७॥
 ३८. अमे अमा वा ॥४१२॥
 २९१. अित् स्वरितेत उभे ॥१२१७१॥

४६४. जिडित्करणे ॥१२।८६॥
 ५१०. जीतां तक् वर्तमानेऽपि ॥१३।३४॥
 ३८५. जेरङ् द्विश्च ॥१२।२८॥
 ३८६. जेः ॥१२।१३७॥
 २६४. टाडकाः ॥११।९॥
 १४४. टादावुक्तपुंस्कं पुंवद्वा ॥६।८०॥
 ९६. टा नाऽस्त्रियाम् ॥६।४३॥
 ७१. टेन ॥६।२२॥
 ४५. टोरन्त्यात् ॥४।१०॥
 १२३. टौसोरे ॥६।३२॥
 ५३६. द्वितोऽथुः ॥१३।४२॥
 १०८. डतेश्च ॥६।१२॥
 १८३. ड्णः ॥६।१०॥
 ५३७. ड्वितस्त्रिमक् तत्कृते ॥१३।४३॥
 ३६९. ढि ढो लोपो दीर्घश्च ॥१३।६५॥
 ३८१. णबादौ पूर्वस्य ॥१३।७२॥
 ३१४. णादिः कित् ॥१२।७४॥
 २७८. णितो वा ॥९।७॥
 ३४९. णित्पे ॥१२।२५॥
 ५००. णिनिरतीते ॥१३।२१॥
 २७४. ण य ा य न णे य ण णी य ा
 गर्गनडात्रिस्त्रीपितृष्वसादेः ॥९।४॥
 २१९. तत्रादिर्विभक्त्यर्थे ॥११।१८॥
 ४१४. त थे ॥१२।१४४॥
 ३४५. तथो धः ॥७।६७॥
 २२३. तदव्ययम् ॥११।२०॥
 ४३३. तनादेरुप् ॥१२।१७॥
 २८७. तरतमेयस्विष्ठाः प्रकर्षे ॥९।१५॥
 २१२. तव मम डसा ॥७।११॥
 ६६. तस्मात्-सि-औ-जस्-अम्-औ-
 शस्-टा-भ्यां-भिस्-डे-भ्यां-भ्यस्-
 डसि-भ्यां-भ्यस्-डस्-ओस्-आम्-
 डि-ओस्-सुप् ॥६।२॥

१७९. तिरश्चादयः ॥६।६७॥
 ४३६. तुदादेरः ॥१२।१५॥
 २०९. तुभ्यं मह्यं डया ॥७।१०॥
 ५३०. तुम् तदर्थ्यां भविष्यति ॥१३।१६॥
 ४७३. तृवुणौ ॥१३।२॥
 ४६. तोर्लि लः ॥४।८॥
 १०६. त्यादिष्टेरः स्यादौ ॥७।२५॥
 ३२५. त्यादौ भविष्यति स्यप् ॥१२।२०॥
 ५१३. त्राणाद्याः ॥१३।७८॥
 १९६. त्रिचतुरोः स्त्रियां तिसृचतसृचत्
 ॥७।१९॥
 १०७. त्रेयङ् ॥६।९॥
 २०६. त्वन्मदेकत्वे ॥७।५॥
 २०२. त्वमहं सिना ॥७।८॥
 २१५. त्वा मा मा ॥७।२॥
 १५९. थो नुट् ॥६।८६॥
 ५११. दस्तस्य नो दश्च ॥१३।७६॥
 १६९. दस्य मः ॥७।२७॥
 ३२८. दादेः पे ॥१२।४०॥
 ४०२. दः सः ॥७।६२॥
 ४६१. दादेरिः ॥१२।९४॥
 ३७३. दादेरे ॥१२।९८॥
 १४९. दादेर्घः ॥७।५५॥
 ४२१. दां हौ ॥१२।१२०॥
 ४०९. दिपि सिपि वा ॥७।६१॥
 ३१२. दिबादावट् ॥१२।२१॥
 १९४. दिव औ ॥६।८८॥
 ४२३. दिवादेर्यः ॥१२।१३॥
 २००. दिशाम् ॥७।४२॥
 ३९७. दिस्योर्हसात् ॥१२।३३॥
 ३६. दूराह्वाने टेः प्लुतः ॥१३।८४॥
 २७४. दृशादेः पश्यादिः ॥१२।१४८॥
 ४७८. दृशादेः शः ॥१३।५॥

४९६. दृशेष्टक्सकौ चोपमाने कार्ये
 ॥१३१७॥
 २७६. देवतेदमर्थे ॥९१६॥
 ५१४. दो दत्ति ॥१३१७३॥
 १८४. दोषाम् ॥७५१॥
 १५३. द्रुहां वा ॥७५६॥
 ४१९. द्वेस्तौ ॥१२१५५॥
 ४१७. द्वेः ॥१२१५९॥
 (-) धातोर्झसे ॥७५२॥
 ३५५. धातोर्नामिनः ॥९१२७॥
 २८८. धातोः ॥१२११॥
 ४४७. धातोः प्रेरणे ॥१२१८७॥
 १४७. धावम् ॥६१९२॥
 १२२. धिरिः ॥६१३३॥
 ११५. धेरर् ॥६१५०॥
 ९५. धौ ॥६१४५॥
 १२८. धौ ह्रस्वः ॥६१३८॥
 ५५६. न क्त्वा सेट् ॥१२१७६॥
 ५३८. नङ्गी ॥१३१४४॥
 २५३. नञि ॥१११५॥
 २३१. नदादेः ॥१०१४॥
 १३८. नपुंसकस्य ॥७१२४॥
 १३९. नपुंसकात् स्यमोर्लुक् ॥६१७२॥
 ४३२. नमः ॥१२११३३॥
 ४०३. नमसोऽस्य ॥१२१५६॥
 २९३. नव परस्मैपदानि ॥१२१६४॥
 ४४९. न रितः ॥१२१११६॥
 ४२. न शात् ॥४१६॥
 ५२. नश्चापदान्ते झसे ॥४११६॥
 ४४. न षि ॥४१९॥
 ४७. नः सक् छते ॥४१११॥
 २८६. न सन्धिव्योर्युट् च ॥९१२६॥
 (-) नस्तोः ॥७३५॥

१९३. नहो धः ॥७५७॥
 २५४. ना ॥१११११॥
 ४३९. नाब्रयादेः ॥१२११८॥
 ४४१. नातः ॥१२१५३॥
 २१६. नादौ ॥७३॥
 ३७९. नानिटि से ॥१२११२८॥
 ८०. नामि ॥६१६२॥
 १४०. नामिनः स्वरे ॥६१७८॥
 ३२१. नामिनोऽचतुर्णां धो ढः
 ॥१२११५४॥
 ६१. नामिनो रः ॥५१७॥
 ३२. नामी ॥३११॥
 २६७. नाम्नश्च कृता समासः ॥११११६॥
 ४८३. नाम्नि च ॥१३१९॥
 २९६. नाम्नि च युष्मदि चास्मदि च
 भागैः ॥१२१६६॥
 १५६. नाम्नो नो लोपशधौ ॥७१४४॥
 ४६३. नाम्नो य ई चास्य ॥१२१८३॥
 ४७६. नाम्युपधात् कः ॥१३१३॥
 ४२२. निजां गुणः ॥१२११०९॥
 ४६७. निवशादेः ॥१२१७०॥
 ३५१. नुगशाम् ॥१२१११८॥
 ७९. नुडामः ॥६१६॥
 ३५६. नु धातोः ॥६११०१॥
 १३५. नुमयमः ॥६१७७॥
 ४२८. नूपः ॥१२११२४॥
 ३५७. नैकस्वरादनुदात्तात् ॥१२११६५॥
 १३६. नोपधायाः ॥६१५९॥
 ३३८. नो लोपः ॥१२११३२॥
 २६५. नो वा ॥९१२०॥
 २२८. न्रण ईप् ॥१०१२॥
 १८१. न्सन्महतोऽधौ दीर्घः शौ च
 ॥६१५८॥

४७७. पचिनन्दिग्रहादेर्युणिनि ॥१३।४॥
 २३६. पत्न्यादयः ॥१०।९॥
 १६१. पथां टेः ॥६।८४॥
 २९२. परतोऽन्यत् ॥१२।७२॥
 ३१३. परोक्षे-णम्-अतुस्-उस्-थप्-
 अथुस्-अ-णप्-व-म-ए-आते-इरे-
 से-आथे-एवे-ए-वहे-महे
 ॥१२।६॥
 २९४. पराण्यात्मनेपदानि ॥१२।६५॥
 ५४४. पुशकात् ॥१३।५२॥
 २३२. पुंयोगे च ॥१०।७॥
 २६२. पुंवद्वा ॥११।१०॥
 १८५. पुंसोऽसुङ् ॥६।५४॥
 ५५५. पूर्वकाले क्त्वा ॥१३।८०॥
 ३३५. पूर्वस्य हसादिः शेषः ॥१२।१०१॥
 २४६. पूर्वोऽव्येयऽव्ययीभावः ॥११।३॥
 ४१८. पोर्स् ॥१२।१५८॥
 ५५९. पौनः पुन्ये णम् पदं द्विश्च ॥१३।८३॥
 ५५४. प्रत्ययान्तात् ॥१३।६०॥
 २२२. प्राग्धातोः ॥११।१५॥
 २२१. प्रादिरूपसर्गः ॥११।१४॥
 ३४३. प्रादेश्च तथा तौ सुनमाम् ॥६।७१॥
 ३५. प्लुतः ॥३।४॥
 ४४२. प्वादेर्ह्रस्वः ॥१२।१४९॥
 २५९. बहुव्रीहिरन्यार्थे ॥११।७॥
 ४१३. ब्रुव आहश्च पञ्चानाम् ॥१२।१४३॥
 ७३. ष्यः ॥६।१७॥
 ४८९. भजां विण् ॥१३।४९॥
 ५४९. भावकार्ययोः ॥१३।५१॥
 २८३. भावे तत्त्वयणः ॥९।१२॥
 १९९. भि दपाम् ॥७।३९॥
 १७२. भिस् भिस् ॥७।३४॥
 ३१९. भुवो वुक् ॥१२।१७२॥

३२७. भूते सिः ॥१२।२४॥
 ४२०. भुजां लुकि ॥१२।१०८॥
 ६०. भोसः ॥५।६॥
 २१०. भ्यस् श्भ्यम् ॥७।१३॥
 २८९. भ्वादिः ॥१२।९०॥
 ५३५. मदाम् ॥१३।४१॥
 १९१. मादू ॥७।३७॥
 २८५. मान्तोपधाद्वत्विनौ ॥९।१४॥
 ४४५. मितां ह्रस्व ॥९।३३॥
 ५१८. मुगानेतः ॥१३।२७॥
 ४३७. मुचादेर्मुम् ॥१२।१५१॥
 ३३०. मेटः ॥१२।४१॥
 ५१. मोऽनुस्वारः ॥४।१५॥
 ४६८. पक् चतुर्षु ॥१२।९॥
 ५२६. यङ ऊकः ॥१३।३१॥
 ४५६. यङि ॥१२।११०॥
 ३८२. यजां यवराणां य्वृतः सम्प्रसारणं
 किति ॥१३।७०॥
 १२५. यटोच्च ॥६।२९॥
 ३६१. यतः ॥१२।१३६॥
 ३८४. यः से ॥१२।१०७॥
 ३७५. यादादौ ॥१२।९७॥
 २२९. यस्य लोपः ॥९।१७॥
 ३०८. याम ईयम् ॥१२।४९॥
 ३०६. याः ॥१२।४७॥
 ५३९. युट् च ॥१३।४६॥
 २०३. युवावौ द्विवचने ॥७।६॥
 ४७५. युवोरनाकौ ॥१३।६८॥
 २१४. युष्मदस्मदोः षष्ठीचतुर्थीद्वितीयाभिस्ते
 मे वां नौ वस् नसौ ॥७।१॥
 ३०७. युस इट् ॥१२।४८॥
 २०५. यूयं वयं जसा ॥७।९॥
 ३५८. ये ॥१२।९३॥

४२४. योः ॥१२।१३८॥
 ३३. खे द्वित्वे ॥३।२॥
 १०९. खोर्धातोरियुवौ स्वरे ॥६।९८॥
 २२. खोर्लोपश् वा पदान्ते ॥२।९॥
 १९७. खोर्वि हसे ॥१२।९२॥
 ११०. खौ वा ॥६।१००॥
 ६२. रः ॥५।८॥
 ३५४. रः ॥१२।१०५॥
 ५०६. रः ॥१३।७७॥
 १५५. रः सङ्ख्यायाः ॥६।७॥
 ४४६. रातो जौ पुक् ॥९।३२॥
 ५६१. रादिफो वा ॥१३।८८॥
 ३६६. रारो झसे दृशाम् ॥१३।६९॥
 ६३. रिलोपो दीर्घश्च ॥५।९॥
 ४५९. रीगृदुपधस्य ॥१२।११३॥
 ४०८. रुदादेरट् ॥१२।३५॥
 ४०७. रुदादेश्चतुर्णां ह्रसादेः ॥१२।१६०॥
 ४५३. रुदाम् ॥१२।७७॥
 ४३१. रुधादेर्नम् ॥१२।१६॥
 ११७. रैस्त्रि ॥६।१५॥
 ५२९. लक्षेरीमुट् च ॥१३।८६॥
 ३८८. लघोर्दीर्घः ॥१२।१८५॥
 २३९. लिङ्गार्थे प्रथमा ॥८।१॥
 ३६५. लिट्पुषादेर्ङः ॥१२।२९॥
 २७५. लुग्वहुत्वे क्वचित् ॥९।५॥
 ४६२. लुग्वान्यत्र ॥१३।३२॥
 ५६२. लोकाच्छेषस्य सिद्धिः ॥१३।८९॥
 ३९८. लोपस्त्वनुदात्ततनाम् ॥१२।१५६॥
 ४२६. लोपः ॥१२।३२॥
 ३५०. लोपः पचां कित्ये चास्य ॥१२।११९॥
 ३८९. लोपो ह्रस्वाज्झसे ॥१२।३७॥
 ५१२. ल्वाद्योदितः ॥१३।७९॥
 ५६०. वर्णात् कारः ॥१३।८७॥

२८२. वक्तुल्ये ॥९।११॥
 २९५. वर्तमाने-तिप्-तस्-अन्ति-सिप्-
 थस्-थ-मिप्-वस्-मस्-ते-आते-
 अन्ते-से-आथे-ध्वे-ए-वहे-महे
 ॥१२।२॥
 १४८. वसां रसे ॥७।४०॥
 १८७. वसोर्व उः ॥६।८१॥
 २५१. वा टाड्योः ॥७।७३॥
 ५१९. वादीयोः शतुः ॥६।५६॥
 १५१. वाडवसाने ॥७।६५॥
 १६७. वासु ॥६।१४॥
 (-) विचार्ये च ॥१३।८५॥
 ५२१. विदेर्वा वसुः ॥१३।२६॥
 ४०१. विदो नवानां त्यादीनां णवादिर्वा
 ॥१२।१४२॥
 ३०५. विधिसम्भावनयोः-यात्-याताम्-
 युस्-यास्-याताम्-यात-याम्-
 याव-याम-ईत्-ईयाताम्-ईरन्-ईस्-
 ईयाथाम्-ईध्वम्-ईय-ईवहि-ईमहि
 ॥१२।३॥
 २४१. विनासहनमक्रतेनिर्धारणस्वाम्यादिभिश्च
 ॥८।४॥
 ५४. विसर्जनीयस्य सः ॥५।१॥
 ४५१. वुस्से ॥१२।१६६॥
 १४३. वेङ्योः ॥६।६५॥
 १३१. वेयुवः ॥६।४०॥
 ४९०. वेः ॥१३।६७॥
 २७१. वोव्यस्वरे ॥९।१६॥
 २३७. वौर्गुणात् ॥१०।१०॥
 ३०३. व्योरा ॥१२।४५॥
 १८०. व्रित्तो नुम् ॥६।५५॥
 ५१७. शतृशानौ तिप्तेवत् क्रियायाम्
 ॥१३।२५॥

३८०. शमां दीर्घः ॥१२।१५४॥
 ३३७. शसात् खपाः ॥१२।१०२॥
 ७०. शसि ॥६।६१॥
 ४७९. शिति चतुर्वत् ॥१३।६३॥
 ४१०. शीङः ॥१२।१२५॥
 ५२२. शीले तृन् ॥१३।२८॥
 ४११. शीङोऽतो रुट् ॥१२।१२६॥
 ४८. शे चग्वा ॥४।१२॥
 २४०. शेषाः कार्ये कर्तृसाधनयोर्दानपात्रे-
 विश्लेषावधौ सम्बन्ध आधारभावयोः
 ॥८।३॥
 १३७. शत्वन्यादेः ॥६।७४॥
 ३२४. श्वस्तने-ता-तारौ-तारस्-तासि-
 तास्थस्-तास्थ-तास्मि-तास्वस्-
 तास्मस्-ता-तारौ-तारस्-तासे-
 तासाथे-ताध्वे-ताहे-तास्वहे-
 तास्महे ॥१२।८॥
 १५७. श्वादेः ॥६।८२॥
 ३६७. षढोः कस्से ॥७।५९॥
 ५२४. षाकोकणः ॥१३।३०॥
 ५५२. षिद्धिदामङ् ॥१३।५८॥
 १७५. षो डः ॥७।४३॥
 ४३. षुभिः षुः ॥४।७॥
 २३०. ष्टिव्रतः ॥१०।३॥
 १६५. ष्णः ॥६।८॥
 ८५. षूर्नो णोऽनन्ते ॥६।६८॥
 १०३. सखिपत्योरीक् ॥७।१७॥
 ५२८. सदोणादयः ॥१३।३५॥
 २२०. सद्यादिः काके ॥११।१९॥
 ३६०. स धातुः ॥१२।८९॥
 २४८. स नपुंसकम् ॥७।७४॥
 ३७०. सन्ध्यक्षराणामा ॥१२।१४०॥
 ८३. समानाद्धेलोपोऽधातोः ॥६।३॥

२४७. समासप्रत्यययोः ॥७।६९॥
 ५५८. समासे क्यप् ॥१३।८२॥
 २४५. समासश्चान्वये नाम्नाम् ॥११।११॥
 २५८. समाहारेऽत ईप् द्विगुः ॥११।२॥
 ८७. सवदिः स्मट् ॥६।२४॥
 २४. सवर्णे दीर्घः सह ॥२।१२॥
 ३८३. सस्तोऽनपि ॥७।६०॥
 ३१५. सस्वरादिर्द्विरद्विः ॥१२।९९॥
 २६०. सहादेः सादिः ॥११।१३॥
 ३९१. सहिवहोरोदवर्णस्य ॥१३।६६॥
 ५३३. संज्ञायामकर्तरि च ॥१३।३९॥
 १४६. संयोगान्तस्य लोपः ॥७।४५॥
 ५४०. साधनाधारयोश्च ॥१३।४७॥
 २१३. सामाकम् ॥७।१४॥
 ४०४. सि सः ॥१२।५७॥
 ३२३. सिसतासीस्यपामीट् ॥१२।१५९॥
 ३९०. सिस्योः ॥१२।१२९॥
 ८९. सुडामः ॥६।२८॥
 ४५२. से दीर्घः ॥१२।९१॥
 ११२. से रा ॥६।४९॥
 १९०. से रौ ॥७।३६॥
 १०१. सेर्डाऽध्वेः ॥६।९६॥
 ३३२. सेः ॥१२।३६॥
 ६४. सैषाद्धसे ॥५।१०॥
 ६९. सो नः पुंसः ॥६।५॥
 १८९. सौ सः ॥७।२८॥
 १८६. स्कोराद्यश्च ॥७।४६॥
 १७६. स्तः ॥७।२९॥
 ११६. स्तुर्गार् ॥६।५३॥
 ४१. स्तोः श्रुभिः श्रुः ॥४।५॥
 ५५०. स्त्रियां यजां भावे क्तिः ॥१३।५७॥
 १२७. स्त्रियां य्वोः ॥६।३७॥
 १३०. स्त्रीभ्रुवोः ॥६।९९॥

